महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

एम0ए0 (इतिहास)/एम0ए0 (पुरातत्व)/शोध कोर्स वर्क पाठ्यक्रम

एम0ए0 (इतिहास) सेमेस्टर प्रणाली/एम0ए0 (पुरातत्व) सेमेस्टर प्रणाली

- एम0ए0 में कुल चार सेमेस्टर होंगे। एम0ए0 प्रथम वर्ष में प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर तथा एम0ए0 द्वितीय वर्ष में तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर होंगे।
- प्रत्येक सेमेस्टर में कुल 4 प्रश्न पत्र निर्धारित हैं। इस प्रकार चारों सेमेस्टर में कुल 16 प्रश्न पत्र होंगे।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का है। इस प्रकार चारों सेमेस्टर में 16 प्रश्न पत्रों का कुल पूर्णांक 1600 अंकों का है।
- प्रथम सेमेस्टर में चारों प्रश्न पत्र अनिवार्य है।
- द्वितीय सेमेस्टर में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्र अनिवार्य हैं। छात्रों को चतुर्थ प्रश्न पत्र के लिए वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में प्राचीन, मध्यकालीन अथवा आधुनिक भारत के स्रोत के रूप में किसी एक प्रश्न का चयन करना होगा। छात्र अपनी रूचि और पढ़े गये विषय को देखते हुए वैकल्पिक प्रश्न पत्र का चयन करेगा। एम0ए0 (पुरातत्व) के छात्र अनिवार्य रूप से प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत का अध्ययन करेंगे।
- प्रत्येक छात्र द्वितीय सेमेस्टर में चतुर्थ प्रश्न पत्र के रूप में चयनित विशेषीकरण के अनुरूप ही तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में विशेषीकरण का चयन करेगा। केवल एम0ए0 (पुरातत्व) के छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत का चयन करने के उपरान्त तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में पुरातत्व का विशेषीकरण का ही अध्ययन करेंगे।

एम0ए0 (पुरातत्व) के छात्र प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में एम0ए0 (इतिहास) के छात्रों के साथ अध्ययन करेंगे। वे तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में पुरातत्व के विशेषीकरण का अध्ययन करेंगे। सेमेस्टर प्रणाली में निम्नलिखित प्रश्न पत्र होंगे।

एम.ए. इतिहासः सेमेस्टर प्रणाली/एम0ए0 (पुरातत्व) सेमेस्टर प्रणाली

प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न पत्र हैं। प्रत्येक प्रश्न का पूर्णांक 100 अंक है। इस प्रकार कुल 16 प्रश्न पत्र एवं सम्पूर्ण पूर्णांक 1600 अंक है।

प्रथम वर्षः प्रथम सेमेस्टरः

प्रथम प्रश्नपत्रः इतिहास दर्शन (अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धान्त)

द्वितीय प्रश्नपत्रः भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (1857 से तिलक युग)

तृतीय प्रश्नपत्रः क्रांतियों का इतिहास (1760 से 1945)

चतुर्थ प्रश्नपत्रः आधुनिक योरोप (आधुनिक राष्ट्रों के निर्माण से वर्साय की सन्धि तक)

प्रथम वर्षः द्वितीय सेमेस्टरः

प्रथम प्रश्नपत्रः इतिहास दर्शन (इतिहास लेखन की दृष्टियाँ और इतिहास दार्शनिक)

द्वितीय प्रश्नपत्रः भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (गाँधी युग)

तृतीय प्रश्नपत्रः आधुनिक विश्व का इतिहास (राष्ट्रसंघ से संयुक्त राष्ट्रसंघ के निर्माण तक)

चतुर्थ प्रश्नपत्रः भारतीय इतिहास के स्रोत (प्राचीन/मध्यकालीन/आधुनिक के विकल्पों के रूप में)

द्वितीय वर्षः विशेषीकरण(प्राचीन भारत/मध्यकालीन भारत/आधुनिक भारत/पुरातत्व)

द्वितीय वर्षः तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक
प्राचीन भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः वैदिक काल से मगध साम्राज्य तक (326 ई0पू0)

द्वितीय प्रश्न पत्रः मौर्य साम्राज्य (320 ई0पू0 से 185 ई0पू0) और राज्य व्यवस्था

तृतीय प्रश्न पत्रः ब्राह्मण प्रतिक्रिया और विदेशी शक्तियों का काल (185 ई0पू0 से 320 ई0 सन्)

चतुर्थ प्रश्न पत्रः गुप्त साम्राज्य (319 ई0सन् से 550 ई0 सन्)

द्वितीय वर्षः चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः हर्ष और प्रमुख राजपूत राजवंश (600 ई0सन् से 1200 ई0 सन्)

द्वितीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारत का सामाजिक/आर्थिक इतिहास

तृतीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारत का धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

चतुर्थ प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय इतिहास का आधुनिक लेखन और इतिहासकार

द्वितीय वर्षः तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक
मध्यकालीन भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः दिल्ली सल्तनतः खलजी वंश तक (1320 ई0सन् तक)

द्वितीय प्रश्न पत्रः दिल्ली सल्तनत (1320 ई0 से 1526 ई0 तक)

तृतीय प्रश्न पत्रः मुगल कालः (1526 ई0 से 1605 ई0)

चतुर्थ प्रश्न पत्रः गुगल कालः (1605 ई0 से 1707 ई0)

द्वितीय वर्षः चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः मुगल कालः (1707 ई0 से 1739 ई0)

द्वितीय प्रश्न पत्रः मध्यकालीन भारत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1200 ई0 से 1700 ई0)

तृतीय प्रश्न पत्रः मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास (1200 ई0 से 1700 ई0)

चतुर्थ प्रश्न पत्रः मध्यकालीन भारत का आधुनिक इतिहास लेखन

द्वितीय वर्षः तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक
आधुनिक भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहासः (1740 ई0 से 1813 ई0)

द्वितीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहासः (1813 ई0 से 1857 ई0)

तृतीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहासः (1858 ई0 से 1947 ई0)

चतुर्थ प्रश्न पत्रः आधुनिक भारतः संवैधानिक इतिहास (1773 ई0 से 1909 ई0)

द्वितीय वर्षः चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः आधुनिक भारतः सांवैधानिक इतिहास 1947 ई0 तक

द्वितीय प्रश्न पत्रः आधुनकि भारत का सामाजिक इतिहास

तृतीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास

चतुर्थ प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहास लेखन

एम0ए0 (पुरातत्व) विशेषीकरण

द्वितीय वर्षः तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः पुरातत्व के सिद्धान्त एवं विधियाँ–भाग 1

द्वितीय प्रश्न पत्रः प्राक् इतिहास

तृतीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय मुद्राएँ

चतुर्थ प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय कला एवं स्थापत्य (प्राचीन से कुषाण काल तक)

द्वितीय वर्षः चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः पुरातत्व के सिद्धान्त एवं विधियाँ–भाग 2

द्वितीय प्रश्न पत्रः आद्य इतिहास

तृतीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख

चतुर्थ प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय कला एवं स्थापत्य (गुप्त काल तक)

एम0ए0 प्रथम वर्षः प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः इतिहास दर्शन (अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धान्त)

Philosophy of History (Meaning, Definition and Theories)

इकाई प्रथमः इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा, इतिहास का क्षेत्र, इतिहास की उपयोगिता एवं महत्व, इतिहास का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई द्वितीयः इतिहास की प्रकृतिः इतिहास कला है या विज्ञान, इतिहास की विषय–वस्तु और इतिहासकार का शिल्प अथवा कौशल।

इकाई तृतीयः इतिहास में कार्य–कारण सम्बन्ध, इतिहास में वस्तुपरकता और व्यक्तिपरकता (objectivity and subjectivity), इतिहास में आवश्यम्भाविता।

इकाई चतुर्थः इतिहास में गवेषणाः अर्थ, अवधारणा, स्रोत या प्रमाण, व्याख्या, पक्षपात एवं न्याय, इतिहास में व्यक्ति एवं प्रगति।

द्वितीय प्रश्न पत्रः भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (1857 ई0 से तिलक युग तक)

Indian Freedom Struggle (From 1857 to Tilak Era)

इकाई प्रथमः 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्रामः राजनीतिक चेतना का विकास एवं राष्ट्रवाद का उद्‌भव, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कारण, स्वरूप, विफलता के कारण, परिणाम।

इकाई द्वितीयः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (उदारवादी पक्ष, 1885 से 1904) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उदय की परिस्थितियाँ, उदारवादियों की नीतियाँ, कार्यक्रम एवं माँगे, उपलब्धियाँ, मूल्यांकन।

इकाई तृतीयः 1905ः बंगभंग, आन्दोलन और उग्रवाद (उग्रवादी पक्ष, सन् 1905–1916)ः बंगाल का विभाजन एवं स्वदेशी आन्दोलन, उग्रवाद की उत्पति के कारण, नीति एवं कार्यक्रम, रणनीति, मूल्यांकन।

इकाई चतुर्थः मुस्लिम लीग की स्थापना, बाल गंगाधर तिलक, एनी बेसेंट, होम रूल आन्दोलन।

तृतीय प्रश्न पत्रः क्रांतियों का इतिहास (ई0 सन् 1760 से 1945 ई0 सन् तक)

History of Revolutions (From 1760 to 1945)

इकाई प्रथमः अमेरिका का स्वतंत्रता संग्रामः पृष्ठभूमि, कारण, स्वरूप, परिसंघ का काल, फिलाडेल्फिया सम्मेलन, अमेरिकी संविधान।

इकाई द्वितीयः बौद्धिक प्रबोधन, 1789 ई0 की फ्रांसीसी क्रांतिः कारण, स्वरूप, परिणाम, प्रभाव एवं महत्व।

इकाई तृतीयः समाजवाद का उदय, 1917 ई0 की बोलशेविक क्रांतिः पृष्ठभूमि, कारण, स्वरूप।

इकाई चतुर्थः चीन में साम्यवाद का उदयः पृष्ठभूमि, माओ–त्जे–तुग और चीन की साम्यवादी क्रांति।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः आधुनिक योरोप का इतिहास (आधुनिक राष्ट्रों के निर्माण से प्रथम युद्ध की समाप्ति तक)

History of Modern Europe (Rise of Modern Nations to the end of the First World War)

इकाई प्रथमः इटली का एकीकरण, जर्मनी का एकीकरण।

इकाई द्वितीयः फ्रांस का तृतीय गणतंत्र, बिस्मार्कः गृह नीति, विदेश नीति।

इकाई तृतीयः आँग्ल–जर्मन सम्बन्ध (1890 ई0–1914 ई0), पूर्वी प्रश्न (क्रीमिया युद्ध, बर्लिन कांग्रेस, बाल्कन युद्ध)।

इकाई चतुर्थः नवसाम्राज्यवाद, प्रथम विश्व–युद्ध, वर्साय की सन्धि, 1919 ई0।

एम0ए0 प्रथम वर्षः द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्रः **इतिहास दर्शन (इतिहास लेखन की दृष्टियाँ और इतिहास दार्शनिक)**
Philosophy of History (Visions of History Writing and Philosophers of History)

इकाई प्रथमः इतिहास चिन्तक एवं उनका इतिहास चिन्तनः प्राचीन यूनानी चिन्तकः हेरोडोटस, थ्यूसीडाइडिस, मध्यकालीन इतिहासकार–इब्नखल्दून आधुनिक चिन्तकः हिगेल व मार्क्स।

इकाई द्वितीयः आधुनिक पाश्चात्य इतिहास चिन्तक, राँके, स्पेंगलर, टॉयनबी, कालिंगउड, ई0 एच0 कार।

इकाई तृतीयः भारतीय इतिहास–लेखन में साम्राज्यवादी दृष्टिकोण, भारतीय इतिहास का राष्ट्रवादी इतिहास लेखन–काशीप्रसाद जायसवाल, वस्तुपरक–तथ्यपरक इतिहास लेखन–रमेशचन्द्र मजूमदार, जदुनाथ सरकार, इतिहास का मार्क्सवादी और उपाश्रयी दर्शन।

इकाई चतुर्थः मार्क्सवादी भारतीय इतिहास लेखनः डी0डी0 कोशम्बी, आर0एस0 शर्मा, आधुनिक भारतीय इतिहास दार्शनिकः राम मनोहर लोहिया, गोविन्द चन्द्र पाण्डेय।

द्वितीय प्रश्न पत्रः **भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (गाँधी युग)**
Indian Freedom Strggle (Gandhi Era)

इकाई प्रथमः असहयोग आन्दोलन 1921 ई0 एवं उग्र क्रांतिकारी संगठन, स्वराज दल का गठन, साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट।

इकाई द्वितीयः सविनय अवज्ञा आन्दोलन भारत सरकार अधिनियम 1935 ई0, वामपंथी आन्दोलन, कांग्रेस समाजवादी दल का गठन, कार्यक्रम एवं उपलब्धियाँ, क्रिप्स मिशन।

इकाई तृतीयः अम्बेडकर और गाँधीः साम्प्रदायिक धाराः साम्प्रदायिक तत्व, प्रारम्भ, प्रचार, ब्रिटिश साम्राज्य की भूमिका, हिन्दू महासभा एवं मुस्लिम लीग की भूमिका, अम्बेडकर और गाँधीः पूना पैक्ट 1932 ई0।

इकाई चतुर्थः भारत–छोड़ो आन्दोलन 1942 ई0, सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज, भारत की स्वतंत्रता 1947 ई0ः वेवल योजना, कैबिनेट मिशन, माउण्टबेटन योजना।

तृतीय प्रश्न पत्रः **आधुनिक विश्व का इतिहास (राष्ट्रसंघ से संयुक्त राष्ट्रसंघ के निर्माण तक)**

History of Modern World (From League of Nations to the making of United Nations Organization)

इकाई प्रथमः राष्ट्रसंघ की स्थापनाः उद्देश्य, स्वरूप, कार्य, असफलता के कारण।

इकाई द्वितीयः ग्रेट ब्रिटेन की तुष्टीकरण की नीति, फ्रांस की सुरक्षा की खोज, निःशस्त्रीकरण।

इकाई तृतीयः आर्थिक मन्दी, हिटलर और नाजीवाद, मुसोलिनी और फासीवाद

इकाई चतुर्थः 'रोम–बर्लिन–टोक्यो' धुरी का निर्माण और द्वितीय विश्व युद्ध का प्रारम्भ, संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः **भारतीय इतिहास के स्रोत (प्राचीन/मध्यकालीन/आधुनिक के विकल्प के रूप में)**

(Sources of Indian Hostory (Ancient/Medieval/Modern-optional)

प्राचीन भारत

इकाई प्रथमः स्रोतों के प्रकार, साहित्यिक स्रोत–ऋग्वेद एवं उत्तरवैदिक साहित्य–रचनाकाल और ऐतिहासिक महत्व, जैन और बौद्ध साहित्य–परिचय, स्मृतियाँः मनु एवं याज्ञवल्क्य–परिचय एवं महत्व।

इकाई द्वितीयः महाकाव्य और पुराण–रचनाकाल एवं ऐतिहासिक महत्व, धर्मेतर साहित्यः संक्षिप्त सामान्य परिचय कौटिल्य का अर्थशास्त्र, वाण का हर्षचरित, कल्हरण की राजतरंगिणी, पृथ्वी राज रासो,

इकाई तृतीयः विदेशी लेखक, यात्री एवं उनके यात्रा–वृत्तन्तः मेगास्थनीज, फाहियान, ह्वेनसांग, अलबीरूनी।

इकाई चतुर्थः प्रारम्भिक पुरातात्विक साक्ष्य–सैन्धव संस्कृतिः प्रमुख स्थल–सामान्य परिचय (हडप्पा, महोनजोदाडो, कालीबंगा, लोथल) अभिलेखः सामान्य परिचय–प्रकार, अशोक के अभिलेख–प्रकार एवं वर्ण्य विषय, मुद्राएँ एवं सिक्के–सामान्य परिचय (आहत्, भारतीय यवन, शक–कुषाण एवं गुप्त सिक्के), राजनीतिक इतिहास के रेखांकन में महत्व।

मध्यकालीन भारत

इकाई प्रथमः हसन निजामी कृत ताजुल मआसिर, मिनहाज कृत तबकाते नासिरी, अमीर खुसरो के ऐतिहासिक ग्रंथ, एसामी कृत फुतूह–उस–सलातीन, जियाउद्दीन बरनी कृत फतवाये जहाँदारी व तारीखे फीरोजशाही।

इकाई द्वितीयः शम्स सिराज अफीफ कृत तारीखे फीरोजशाही, यहिया कृत तारीखे मुबारकशाही, बाबर कृत बाबरनामा, गुलबदन बेगम कृत हुमायूँनामा, अब्बास खाँ सरवानी कृत तारीखे शेरशाही, निजामुद्दीन अहमद कृत तबकाते अकबरी।

इकाई तृतीयः अबुल फजल कृत अकबरनामा व आईने अकबरी, बदायूँनी कृत मुन्तखब–उत्–तवारीख, जहाँगीर कृत तुजुक–ए–जहाँगीरी, अब्दुल हमीद लाहौरी कृत पादशाहनामा, साकी मुस्तइद खाँ कृत मआसिरे आलमगीरी, खाफी खाँ कृत मुन्तखब–उल–लुबाब।

इकाई चतुर्थः इब्नेबत्तूता का यात्रा वृत्तान्त (रेहला), फ्रेंकोई बर्नियर का यात्रा वृत्तान्त (ट्रेवेल्स इन द मुगल अम्पायर), निकोलाओ मनुची का यात्रा वृतान्त (स्टोरिया डो मोगोर), राजस्थानी स्रोत–नैणसी री ख्यात, मारवाड़ रा परगना री विगत, भक्ति साहित्य–कबीर, तुलसी साहित्य।

आधुनिक भारत

इकाई प्रथमः अभिलेखागार–राष्ट्रीय अभिलेखागार, क्षेत्रीय अभिलेखागार, रियासती अभिलेखागार, विदेशों में स्थित अभिलेखागार, आधुनिक भारत के ब्रिटिश, पुर्तगाली, डच एव डेनिस स्रोत।

इकाई द्वितीयः 19वीं शताब्दी के भारत के ब्रिटिश इतिहासकार जेम्स मिल, मैकाले ग्रांट डफ, जेम्स टॉड (समकालीन विवरण)

इकाई तृतीयः समकालीन संस्मरण–यात्रियों के, प्रशासकों के, मिशनरियों के, आत्मकाथाएं, डायरियां, भाषण एवं लेखन–महात्मा गांधी, सुभाषचन्द्र बोस, पं0 जवाहर लाल नेहरू, ज्योतिबा फूले तथा भीमराव अम्बेडकर।

इकाई चतुर्थः समकालीन समाचार पत्र–पत्रिकाएं एवं गजेटियर, जनगणना, लोकगीत, लोककथाएं, लोकोक्तियाँ, समकालीन प्रमुख साहित्य।

एम0ए0 द्वितीय वर्षः तृतीय सेमेस्टर

छात्रों को द्वितीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक प्राचीन/मध्यकालीन/आधुनिक) के आधार पर इस सेमेस्टर में प्राचीन भारत/मध्यकालीन भारत/आधुनिक भारत वर्ग का चयन करना होगा। एम0ए0 (पुरातत्व) के छात्र पुरातत्व वर्ग का अनिवार्य रूप से चयन करेंगे।

वैकल्पिकः

प्राचीन भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः वैदिक काल से मगध साम्राज्य तक (326 ई0पू0)

From Vedic Age t Magadh Empire (326 B.C.)

इकाई प्रथमः ऋग्वैदिक आर्य, समकालीन–ताम्र पाषाणीय एवं उत्तर हड़प्पा संस्कृति, पूर्व वैदिक समाज, उत्तर वैदिक काल–सामाजिक संरचना का विकास (वर्ण एवं जाति का विकास)

इकाई द्वितीयः वैदिक काल–स्त्री, विवाह, परिवार, शूद्रों की उत्पत्ति एवं सामाजिक स्थिति, दास व्यवस्था, मिश्रित जातियाँ।

इकाई तृतीयः वैदिक काल की आर्थिक संरचना–कृषि, पशुपालन, व्यापार–वाणिज्य, लोहे के उत्पादन में प्रयोग एवं द्वितीय नगरीकरण।

इकाई चतुर्थः वैदिक कालीन राजनीतिक संगठन, छठी शताब्दी ई0पू0 की राजनीतिक स्थिति 16 महाजनपद, गणराज्य, मगध साम्राज्य का उत्कर्ष–बिम्बिसार, अजातशत्रु, महापद्मनंद।

द्वितीय प्रश्न पत्रः मौर्य साम्राज्य (320 ई0पू0 से 185 ई0पू0) व राज्य व्यवस्था

Mauryan Empire (320 B.C. to 185 B.C.) and Political System

इकाई प्रथमः मौर्य साम्राज्य की स्थापना–चन्द्रगुप्त मौर्य–वर्ण परिचय, राजनीतिक उपलब्धियाँ, बिन्दुसार।

इकाई द्वितीयः अशोक–प्रारंभिक जीवन, कलिंग से युद्ध, अशोक के अभिलेखों का विवरण, राजनीतिक उपलब्धियाँ, साम्राज्य सीमा।

इकाई तृतीयः अशोक के प्रशासनिक सुधार, अशोक का धम्म–स्वरूप व समीक्षा, मौर्य साम्राज्य का पतन, अशोक का उत्तरदायित्व।

इकाई चतुर्थः मौर्य प्रशासन–केन्द्रीय, प्रांतीय, स्थानीय, मौर्यकालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, अर्थशास्त्र, इण्डिका।

तृतीय प्रश्न पत्रः **ब्राह्मण प्रतिक्रिया और विदेशी शक्तियों का काल (ई0पू0 185–320 ई0सन्)**

Brahmin Reaction and Period of Foreign Powers (From 185 B.C. to 320 A.D.)

इकाई प्रथमः ब्राह्मण प्रतिक्रिया–प्रारंभिक स्मृतियों में ब्राह्मणीय व्यवस्था का पुनर्दृढीकरण, पुष्यमित्र शुंग–राजनीतिक व सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

इकाई द्वितीयः इण्डोग्रीक (यवनों) का आक्रमण–डिमेट्रियस, मिनाण्डर, इण्डोग्रीक आक्रमण के परिणाम/प्रभाव।

इकाई तृतीयः शक राजवंश–नहपान, रूद्रदामन, शक–सातवाहन संघर्ष, कुषाण राजवंश–परिचय, प्रारंभिक विस्तार, कनिष्क–राज्यारोहरण की तिथि राजनीतिक व सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

इकाई चतुर्थः मौर्योत्तर आर्थिक प्रवृत्तियाँ–उद्योग, व्यवसाय, व्यापार–आंतरिक व वैदेशिक व्यापार, नगरों का विकास, भारतीय संस्कृति पर विदेशी प्रभाव

चतुर्थ प्रश्न पत्रः **गुप्त साम्राज्य (319 ई0–550 ई0 सन्)**

Gupta Empire (From 319 A.D. to 550 A.D.)

इकाई प्रथमः गुप्त साम्राज्य के उदय के पूर्व उत्तर भारत की राजनैतिक दशा, गुप्तों की प्राचीनता एवं उत्पत्ति प्रारंभिक शासक।

इकाई द्वितीयः गुप्त शक्ति का उत्कर्ष, समुद्रगुप्त की राजनीतिक उपलब्धियाँ, रामगुप्त की ऐतिहासिकता, चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य, स्कंदगुप्त एवं हूण आक्रमण, गुप्त साम्राज्य के पतन के कारण।

इकाई तृतीयः गुप्त कालीन संस्कृति–गुप्त युगीन शासन पद्धति, सामाजिक व आर्थिक स्थिति, नगरों की स्थिति, स्वर्ण युग की अवधारणा।

इकाई चतुर्थः मौखरी शासक–ईश्वर वर्मा, ईशान वर्मा, परवर्ती गुप्त शासक–कुमार गुप्त।

वैकल्पिकः

मध्यकालीन भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः **दिल्ली सल्तनत : खलजी वंश तक (1320 ई0तक)**

Delhi Saltanate up to Khalji Dynasty (Up to 1320 A.D.)

इकाई प्रथमः बारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में उत्तरी भारत की राजनैतिक दशा, बारहवीं, शताब्दी के उत्तरार्द्ध में उत्तरी भारत पर तुर्की आक्रमण, भारत पर तुर्क आक्रमण का प्रभाव, तुर्कों की सफलता एवं राजपूतों की पराजय के कारण

इकाई द्वितीयः कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश इल्तुतमिश के उत्तराधिकारी रूक्नुद्दीन फीरोजशाह, रजिया बहरामशाह, अलाउद्दीन मसूदशाह, नसिरूद्दीन महमूद, चेहलगानी तुर्कों की भूमिका

इकाई तृतीयः बलबन–उपलब्धियाँ, राजत्व सिद्धान्त, मंगोल नीति, बलबन के उत्तराधिकारी–कैकूबाद, खल्जी क्रान्ति, जलालुद्दीन खलजी

इकाई चतुर्थः अलाउद्दीन खल्जी–उपलब्धियाँ, उत्तरी व दक्षिणी भारत की विजय मंगोल नीति, सुधार–आर्थिक सुधार, बाजार नियंत्रण, कुतुबुद्दीन मुबारक खल्जी।

द्वितीय प्रश्न पत्रः दिल्ली सल्तनत (1320 ई0 से 1526 ई0 तक)

Delhi Saltanate (From 1320 A.D. to 1526 A.D.)

इकाई प्रथमः गयासुद्दीन तुगलक–उपलब्धियाँ, अफगानपुर की दुर्घटना, मुहम्मद तुगलक की योजनायें–प्रशासनिक एवं विजय योजनायें, मुहम्मद तुगलक का चरित्र।

इकाई द्वितीयः फ़ीरोज तुगलक का सिंहासनारोहण, गृहनीति–विभिन्न सुधार, धार्मिक नीति, विजयें, फीरोज के उत्तराधिकारी।

इकाई तृतीयः तैमूर का भारतीय अभियान, तुगलक वंश का पतन, सैयद वंशः एक परिचय, लोदी वंश की स्थापना, बहलोल लोदी की उपलब्धियाँ।

इकाई चतुर्थः सिकन्दर लोदी–उपलब्धियाँ, इब्राहीम लोदी, अफगान राजत्व सिद्धान्त, सल्तनत कालीन प्रशासन, राजवंशों के त्वरित परिवर्तन के कारण

तृतीय प्रश्न पत्रः मुगल काल (1526 ई0 से 1605 ई0)

Mughal Period (From 1526 to 1605 A.D.)

इकाई प्रथमः बाबर के आक्रमण के समय भारत की राजनीतिक दशा, बाबर मुगल वंश के संस्थापक के रूप में, बाबर की विजयें, बाबर का प्रशासन में स्थान, बाबर–मूल्यांकन।

इकाई द्वितीयः हुमायूँ की प्रारंभिक कठिनाइयाँ, हुमायूँ के भाइयों के साथ सम्बन्ध, हुमायूँ का अफगान शासकों (शेरशाह–बहादुरशाह) से सम्बन्ध, हुमायूँ की असफलता के कारण, शेरशाह की प्रशासनिक व्यवस्था (लगान व्यवस्था), प्रशासन में सुधार, शेरशाह का मूल्यांकन।

इकाई तृतीयः अकबर महान्, बैरम खाँ का अतालीकी शासन, साम्राज्य विस्तार, राजपूत नीति, धार्मिक नीति।

इकाई चतुर्थः अकबर की दक्षिण नीति, अकबर के प्रशासनिक सुधार, मनसबदारी व्यवस्था, सामाजिक सुधार, अकबर का मूल्यांकन।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः **मुगल काल (1605 ई0 से 1707 ई0)**
Mughal Period (From 1605 to 1707 A.D.)

इकाई प्रथमः जहाँगीर–शासन का आरंभ, प्रमुख घटनाएं, नूरजहाँ की मुगल दरबार की राजनीति में भूमिका, मूल्यांकन, शाहजहाँ–दक्षिण नीति, मध्य एशिया नीति, शाहजहाँ के काल की विशेषताएं।

इकाई द्वितीयः शाहजहाँ के शासन के अंतिम दिनों में उत्तराधिकार का युद्ध, शाहजहाँ के पुत्र, औरंगजेब का राज्यारोहण, आरंभिक प्रशासनिक कार्य, उत्तर पूर्वी एवं उत्तर पश्चिमी सीमा नीति, राजपूत नीति, धार्मिक नीति।

इकाई तृतीयः मराठों का उत्थान, शिवाजी का उत्कर्ष–मुगलों से संघर्ष, आगरा की यात्रा एवं मिर्जा राजा जय सिंह शिवाजी का राज्याभिषेक एवं मराठा प्रशासन।

इकाई चतुर्थः औरंगजेब की दक्षिण नीति, औरंगजेब का मूल्यांकन।

वैकल्पिकः

आधुनिक भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः **आधुनिक भारत का इतिहास (1740 ई0 से 1813 ई0)**
History of Modern India (From 1740 to 1813 A.D.)

इकाई प्रथमः दक्षिण भारत में प्रभुत्व का संघर्षः आंग्ल–फ्रांसीसी संघर्ष–प्रथम आंग्ल–फ्रांसीसी युद्ध, द्वितीय आंग्ल–फ्रांसीसी युद्ध एवं तृतीय आंग्ल फ्रांसीसी युद्ध अंग्रेजों की सफलता के कारण, डूप्ले का मूल्यांकन।

इकाई द्वितीयः बंगाल में अंग्रेज (1757–1772): ब्लैक होल, प्लासी का युद्ध, बक्सर का युद्ध, बंगाल में क्लाइव की दूसरी गवर्नरी, बंगाल का द्वैध शासन, क्लाइव का मूल्यांकन।

इकाई तृतीयः वारेन हेस्टिंग्सः वारेन हेस्टिंग्स के सुधार, वारेन हेस्टिंग्स की अवध नीति, रूहेलों का युद्ध, नन्दकुमार का मुकदमा, रेग्यूलेटिंग, वारेन हेस्टिंग्स का मूल्यांकन, मराठों का उत्कर्ष, बालाजी, बाजीराव तथा पानीपत का तीसरा युद्ध, प्रथम आँग्ल मराठा युद्ध, द्वितीय आँग्ल मराठा युद्ध, वेसीन की संधि और महत्व।

इकाई चतुर्थः कार्नवालिस एवं सरजानसोरः कार्नवालिस की विदेश नीति, कार्नवालिस के सुधार, लार्ड वेलेजलीः सहायक संधि, मैसूर का चतुर्थ युद्ध, टीपू सुल्तान का चरित्र, लार्ड वेलेजली का मूल्यांकन।

द्वितीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहास (1813 ई0 से 1857 ई0)
History of Modern India (From 1813 A.D. to 1857 A.D.)

इकाई प्रथमः लार्ड हेस्टिंग्सः लार्ड हेस्टिंग्स की नीति एवं आन्तरिक सुधार, गोरखा युद्ध (1814 ई0–1816 ई0): कारण, परिणाम, पिण्डारी युद्धः (1816 ई0–1818 ई0) कारण, परिणाम, चतुर्थ–आँग्लमराठा युद्ध, मराठों के पतन के कारण।

इकाई द्वितीयः लार्ड विलियम बैटिंगः देशी राज्यों के प्रति नीति, सामाजिक सुधार, आर्थिक सुधार, शिक्षा सम्बन्धी सुधार, वित्तीय सुधार, न्यायिक सुधार 1813 ई0 का चार्टर एक्ट, बैटिंग का मूल्यांकन, लार्ड आकलैंण्ड।

इकाई तृतीयः लार्डएलनवराः सिन्ध का अंग्रेजी राज्य में विलय, लार्ड हार्डिंस, महाराजा रणजीत सिंह का अंग्रेजो से सम्बन्ध, रणजीत सिंह की शासन प्रणाली, व्यक्तित्व, मूल्यांकन।

इकाई चतुर्थः लार्ड डलहौजीः डलहौजी का अवध से सम्बन्ध, डलहौजी के सुधार–प्रशासनिक, रेल, डाक, डलहौजी का मूल्यांकन, 1857 की क्रान्ति–कारण, स्वरूप, परिणाम।

तृतीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहास (1858 ई0 से 1947 ई0)
History of Modern India (From 1858 A.D. to 1947 A.D.)

इकाई प्रथमः लार्ड केनिंग से लिटन तकः लार्ड केनिंग, लार्ड एलगिन प्रथम, सरजान लारैन्स, लार्ड मेयो, लार्ड नार्थब्रुक, लार्ड लिटन, लिटन का मूल्यांकन। लार्ड रिपन, स्थानीय स्वशासन, हण्टर आयोग, वित्त का विकेन्द्रीकरण, इलबर्ट बिल।

इकाई द्वितीयः लार्ड कर्जनः कर्जन की विदेश नीति, कर्जन की आन्तरिक नीति, कर्जन का मूल्यांकन, लार्ड मिण्टो द्वितीय, लार्ड हार्डिंग, लार्ड चेम्स फोर्ड, लार्ड इर्विन, लार्ड लिन लिथगो, लार्ड वेवल, लार्ड माउण्टवेटन।

इकाई तृतीयः भारत में मुस्लिम साम्प्रदायिकता का विकासः सर सैयद अहमद खँ, अलीगढ़ आन्दोलन, लखनऊ समझौता, पाकिस्तान की माँग के कारण, डॉ0 लतीफ योजना, राजगोपालाचार्य की योजना।

इकाई चतुर्थः आधुनिक भारत के अग्रणीय नेताः दादाभाई नारौजी, गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, महात्मागांधी, डॉ0 अम्बेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, पं0 जवाहर लाल नेहरू, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का संवैधानिक इतिहास (1713 ई0 से 1909 ई0)
Constitutional History of Modern Indian (From 1773 A.D. to 1909 A.D.)

इकाई प्रथमः रेग्यूलेटिंग एक्ट 1773 ई0 एक्ट की धाराएं, एक्ट की आलोचना, 1781 ई0 का अधिनियम।

इकाई द्वितीयः पिट्स इंडिया 1784 ई0 एक्ट के उपबन्ध, ई0 सन् 1793 का चार्टर एक्ट, ई0 सन् 1813 का चार्टर एक्ट, ई0 सन् 1833 का चार्टर एक्ट, 1853 ई0 सन् का चार्टर एक्ट।

इकाई तृतीयः ई0 सन् 1858 का अधिनियमः ई0 सन् 1858 के अधिनियम के उपबन्ध, साम्राज्ञी का घोषणा पत्र, ई0 सन् 1861 का भारतीय कौंसिल एक्ट, ई0 सन् 1881 का रिपन प्रस्ताव।

इकाई चतुर्थः ई0 सन् 1892 का भारतीय कौंसिल एक्ट, ई0 सन् 1908 का समाचार पत्र अधिनियम, ई0 सन् 1909 का मिंटो–मार्ले सुधार अधिनियम।

एम0ए0 (पुरातत्व)
प्रथम प्रश्न पत्रः पुरातत्व के सिद्धान्त एवं विधियाँ भाग–1
Principles and Methods of Archaeology Part-1

इकाई प्रथमः पुरातत्व का अर्थ एवं परिभाषा, पुरातत्व का विकास, पुरातत्व का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई द्वितीयः पुरातात्विक सर्वेक्षण एवं उनका उद्देश्य, अन्वेषक (खोज कर्त्ता) एवं उनके साज–समान, पुरास्थलों के अन्वेषण की प्रमुख विधियाँ, परम्परागत पद्धति एवं वैज्ञानिक पद्धति।

इकाई तृतीयः पुरातात्विक उत्खनन, पुरातात्विक उत्खनन का उद्देश्य, पुरातात्विक उत्खनन में सावधानियाँ, पुरातात्विक उत्खनन के लिए टीम एवं साज–समान, पुरातात्विक उत्खनन के प्रकार–लम्बवत उत्खनन, क्षैतिज उत्खनन, ग्रिड प्रणाली उत्खनन, सोपानपद उत्खनन।

इकाई चतुर्थः प्रमुख उत्खनित पुरास्थल–राजघाट, उज्जैन, वैशाली, तक्षशिला, मथुरा, श्रावस्ती, कौशाम्बी, शिशुपालगढ़।

द्वितीय प्रश्न पत्रः प्राक इतिहास
Pre-History

इकाई प्रथमः प्रागैतिहास की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, प्रस्तर उपकरणों की निर्माण विधि, पाषाण काल एवं उनके प्रकार, भारतीय निम्न पुरापाषाणिक संस्कृति–सोहन एवं बेलन घाटी के विशेष सन्दर्भ में।

इकाई द्वितीयः भारतीय मध्य पुरापाषाणिक संस्कृति–बेलन और सोन घाटी के विशेष सन्दर्भ में, भारतीय उच्च पुरापाषाणिक संस्कृति–भीमबैठका और बाघोर के विशेष सन्दर्भ में।

इकाई तृतीयः भारतीय मध्यपाषाणिक संस्कृति, प्रमुख उत्खनिक पुरास्थल–सरायनाहरराय, महदहा, दमदमा, चोपनीमाण्डों।

इकाई चतुर्थः भारतीय नवपाषाणिक संस्कृति, प्रमुख उत्खनित पुरास्थल–कोल्डीहवा, चिरांद, बुर्जहोम, भारतीय प्रागैतिहासिक शिला चित्रकला।

तृतीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय मुद्रायें
Ancient Indian Coins

इकाई प्रथमः मुद्राओं का उद्भव एवं प्राचीनता, मुद्राओं का ऐतिहासिक महत्व, आहत सिक्के, ढलुआ सिक्के।

इकाई द्वितीयः जनपदीय सिक्के, औदुम्बर, यौधेय, मालव, कुणिन्द, अर्जुनायन, शक एवं सातवाहन मुद्राएँ।

इकाई तृतीयः हिन्द–यवन सिक्के, डियोडोरस, यूथिडेमस, डेमेट्रियस अगयुक्लेय एवं मिनेण्डर के सिक्के, स्मारक सिक्के, कुषाण सिक्के कुजुल कड़फिसस की मुद्रायें, विमकडफिसस की मुद्रायें, कनिष्क, हुविष्क एवं वासुदेव की मुद्रायें।

इकाई चतुर्थः अ–गुप्तकालीन मुद्रायें–चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, रामगुप्त, काँच, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त एवं स्कन्दगुप्त की मुद्रायें। ब–गुप्तोत्तर कालीन मुद्रायें।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय कला एवं स्थापत्य (प्राचीन से कुषाण काल तक)
Ancient Indian Art and Architecture (From Ancient to Kusana Period)

इकाई प्रथमः शैलकृत स्थापत्य, मौर्य कालीन गुफायें, हीनयान एवं महायान काल के बिहार, हीनयान काल के चैत्य–भाजा, कोंडाने, पीतलखोरा अजन्ता (गुफा नं0 10) कार्ले, महायान काल के चैत्य–अजन्ता एलोरा, एलिफेन्टा, बाघ की गुफायें।

इकाई द्वितीयः मन्दिर स्थापत्य, मन्दिर स्थापत्य के शैली–नागर, वेसर एवं द्रविड शैली, मन्दिर स्थापत्य की उत्पति एवं विकास (गुप्त काल तक) साँची का मन्दिर सं0 17, नचना कुठारा का पार्वती मन्दिर, भूमरा का शिव मंदिर, देवगढ़ का दशावतार मंदिर एवं भीतरगाँव का इष्टिका मन्दिर के विशेष सन्दर्भ में।

इकाई तृतीयः प्रतिहार मंदिर : ओसियन एवं राजस्थान, सोलंकी मंदिर : मोढ़ेरा का सूर्य मन्दिर, चन्देल मंदिर : खजुराहो का कन्दरिया महादेव मंदिर, उड़ीसा समूह के पूर्वी गंगों के मन्दिर : राजरानी मन्दिर, भुवनेवश्वर का लिंगराज मन्दिर, कोणार्क का सूर्य मन्दिर।

इकाई चतुर्थः पल्लव मन्दिर, महेन्द्र शैली के मण्डप, मामल्ल शैली के मण्डप और रथ मन्दिर, राज सिंह शैली : महावली पुरम् का तट मंदिर, नन्दिवर्मन शैली : काँची का मुक्तेश्वर मन्दिर, चोल मन्दिर : तंजौर का बृहदेश्वर मन्दिर।

एम0ए0 द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सेमेस्टर

वैकल्पिकः
प्राचीन भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः **हर्ष और प्रमुख राजपूत राजवंश (600 ई0–1200 ई0 सन् तक)**
Harsha and Important Rajput Dynasties (From 600 A.D. to 1200 A.D.)

इकाई प्रथमः पुष्यभूति राजवंश–हर्ष की दिग्विजय, प्रशासन, सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, राजपूतों की उत्पत्ति के विविध सिद्धान्त, गुर्जर प्रतिहार वंश–मिहिर भोज– I, पाल वंश–धर्मपाल।

इकाई द्वितीयः चाहमान वंश–पृथ्वीराज तृतीय, परमार वंश–भोज, चंदेल वंश–धंग, विद्याधर, कलचुरि वंश–गांगेयदेव विक्रमादित्य, चालुक्य/सोलंकी वंश–जय सिंह सिद्धराज, भीमदेव– II।

इकाई तृतीयः राजपूतों की पराजय के कारण, मुस्लिम आक्रमणों का वृतांत–महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी।

इकाई चतुर्थः पूर्वमध्यकालीन सामाजिक दशा, पूर्व मध्यकालीन आर्थिक दशा, सामंतवाद का विकास।

द्वितीय प्रश्न पत्रः **प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास**
Social History of Ancient India

इकाई प्रथमः सामाजिक संरचना का विकास–पूर्व वैदिक वर्ग, चतुर्वण्य व्यवस्था, जातियों को प्रभावित करने वाले तत्व एवं जातियों का विकास। अस्पृश्यता, अभोज्यन्नता, आश्रम, पुरूषार्थ, संस्कार–महत्व एवं प्रकार।

इकाई द्वितीयः विवाह–महत्व, प्रकार, वर्ण संकर विवाह, सगोत्र, सपिण्ड, सप्रवर विवाहों की निषिद्धता, विवाह–वय, विवाह–विच्छेद, विधवा विवाह, नारी का पुनर्विवाह, नियोग।

इकाई तृतीयः नारी की दशा–पूर्व वैदिक युग में नारी की दशा, परवर्ती युगों में नारी की दशा, नारी के नौमणिक शैक्षणिक अधिकार, नारी के साम्पत्तिक अधिकार।

इकाई चतुर्थः शिक्षा–उद्देश्य, महत्व, शिक्षा के विषय, शिक्षा की पद्धति, गुरूकुल बौद्ध बिहार, गुरू–शिष्य सम्बन्ध, शिल्प शिक्षा, शिक्षा के केन्द्र–तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिलां, काशी, काश्मीर।

तृतीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारत का धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
Regogious and Cultural History of Ancient India

इकाई प्रथमः नव ब्राह्मणवाद–वैष्णवधर्म, उदय एवं विकास, स्वरूप, चिन्तन, विश्वास, वैष्णव पाँचरात्रतन्त्र, वैष्णव साधना का स्वरूप, देवतागण, विष्णु के दशावतार, सिद्धान्त, भक्ति व भक्ति के प्रकार, वैष्णव सम्प्रदाय (रामानन्द, सन्त अलवार, बल्लभ, चैतन्य महाप्रभु, नामदेव, तुकाराम, गुरूनानक) शैवधर्म–उदय एवं विकास, स्वरूप, चिन्तन, देवतागण, सिद्धान्त व साधना, शैव सम्प्रदाय, (पाशुपत, कापालिक व कालामुख वीर, शैव अथवा लिंगायत, कश्मीरी, नाथ या योगिनी, कौल सम्प्रदाय)

इकाई द्वितीयः वैष्णव एवं शैव धर्म पर बौद्ध धर्म का प्रभाव, वाममार्गी परम्परा का विकास, तान्त्रिक सम्प्रदाय या वाममार्ग, देवतागण–शिव, गणेश, स्कन्द या कार्तिकेय। शाक्त–धर्म विकास त्रिपुरा–सुन्दरी। औपनिषदिक धर्म–स्रोत व संख्या, रचनाकाल, आत्मा, ब्रह्म, ब्रह्मवाद की गूढ़ता, ब्रह्म व आत्मा की गूढ़ता, माया, अविद्या।

इकाई तृतीयः लोकधर्म–मान्यता एवं विश्वास, पूजा–वृक्षपूजा, पशुपूजा, पक्षीपूजा, नागपूजा, टोटम, शकुन–अपशकुन, स्वप्न–विचार, भूत–प्रेत, तन्त्र–मन्त्र, शुभ मुर्हत में यात्रा, सौगन्ध (शपथ) शुभ कार्यों में सौभाग्यवती स्त्रियों की भूमिका। धार्मिक चिन्ह, शुभ चिन्ह, औम का महत्व, स्वस्तिक, मंगलकलश, धार्मिक चिन्तन में कर्मवाद, स्वर्ग–नरक, भाग्यवाद, मूर्तिपूजा एवं प्रतीकोपासना।

इकाई चतुर्थः व्रत, परिचय एवं महत्व, विभिन्न व्रत (बारह मास के व्रत व हरितालिका व्रत), पर्व–त्यौहार–विजयादशमी, दीपावली, होलिका, पर्व–उत्सवों की प्रासंगिकता। स्नान–(माघ स्नान, रूद्र स्नान, कुम्भ पर्व स्नान, वैसाख स्नान, कार्तिक स्नान) स्नान का महत्व, तीर्थ–तीर्थ स्थान का महत्व, सप्त पुरी तीर्थ। **स्त्रियों का यज्ञ सम्बन्धी विचार।** धर्म एवं राज्य।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः प्राचीन भारत का आधुनिक इतिहास लेखन
Modern History Writing and Historians of Ancient India

इकाई प्रथमः साम्राज्यवादी इतिहास लेखन : व्ही0ए0 स्मिथ, डब्लू0डब्लू0 हंटर, मार्टिमर ह्वीलर।

इकाई द्वितीयः प्राच्यवादी इतिहास लेखन : विलियम जोन्स, मैक्समूलर, जेम्स प्रिन्सेप, एलेक्जेण्डर कनिंघम।

इकाई तृतीयः राष्ट्रवादी इतिहास लेखन : के0पी0 जायसवाल, एस0सी0 राय चौधरी, वासुदेव शरण अग्रवाल, आर0जी0 भण्डारकर, आर0सी0 मजूमदार।

इकाई चतुर्थः मार्क्सवादी इतिहास लेखन : डी0डी0 कोशाम्बी, आर0एस0 शर्मा, रोमिला थापर, विजय ठाकुर।

वैकल्पिकः

मध्यकालीन भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः मुगल काल (1707 ई0 से 1739 ई0)

Mughal Period (From 1707 A.D. to 1793 A.D.)

इकाई प्रथमः सम्राट बहादुरशाह और उसकी नीतियाँ, पेशवाओं के उत्थान का काल पेशवा बालाजी विश्वनाथ।

इकाई द्वितीयः पेशवा बाजीराव–सैनिक उपलब्धियाँ, पेशवा बालाजी बाजीराव की गतिविधियाँ एवं मराठाराज्य, जहाँदारशाह फर्रूखसियर–संक्षिप्त परिचय।

इकाई तृतीयः मुगल दरबार की दलगत राजनीति, वजीर पद के लिए संघर्ष, जुल्फीकार खाँ, सैय्यद बन्धु।

इकाई चतुर्थः सम्राट मोहम्मदशाह, नादिरशाह का आक्रमण, मुगल प्रशासन, मुगल साम्राज्य का पतन।

द्वितीय प्रश्न पत्रः मध्यकालीन भारत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1200 ई0 से 1700 ई0 तक)

Social and Cultural History of Medieval India (From 1200 A.D. to 1700 A.D.)

इकाई प्रथमः हिन्दू–मुस्लिम सम्बन्ध, परस्पर प्रभाव, शासक वर्ग, अभिजात वर्ग, जन सामान्य, उलेमा वर्ग, दास प्रथा

इकाई द्वितीयः स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा–विकास एवं व्यवस्था, हिन्दू शिक्षा व्यवस्था, मुस्लिम शिक्षा व्यवस्था, धार्मिक त्यौहार, खेलकूद, मनोरंजन के साधन;

इकाई तृतीयः भक्ति आन्दोलन–उत्पत्ति के कारण, सिद्धान्त, प्रमुख संत; निर्गुण–कबीर, सगुण–तुलसी, सूफी आन्दोलन–उत्पत्ति के कारण, प्रमुख सूफी सम्प्रदाय व संत–शेख मुईनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया।

इकाई चतुर्थः मध्यकालीन स्थापत्य कला–सल्तनत काल, मुगलकाल–प्रमुख लक्षण, मुगलकाल में चित्रकला

तृतीय प्रश्न पत्रः **मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास (1200 ई0 से 1700 ई0 तक)**
Economic History of Medieval India (From 1200 A.D. to 1700 A.D.)

इकाई प्रथमः कृषि, भूस्वामित्व, कृषक, कृषि व्यवस्था तथा सम्बन्धित अधिकारी–अक्तादार, जमींदार, मनसबदारी व्यवस्था।

इकाई द्वितीयः सिंचाई, भूराजस्व व्यवस्था–सल्तनत काल, सूरकाल, मुगलकाल, राजस्व के अन्य स्रोत, आय एवं व्यय के स्रोतं

इकाई तृतीयः व्यापार–आन्तरिक व विदेशी व्यापार, आयात निर्यात, यातायात के मार्ग व साधन

इकाई चतुर्थः उद्योग–कच्चामाल व उद्योग, नगरीकरण एवं नगर व्यस्था।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः **मध्यकालीन भारत का आधुनिक इतिहास लेखन**
Modern History Writing of Medieval India

इकाई प्रथमः मध्यकालीन भारत के आधुनिक इतिहास लेखन के प्रमुख स्कूल–ब्रिटिश स्कूल, कोलकाता (जदुनाथ सरकार) स्कूल, इलाहाबाद स्कूल एवं अलीगढ़ स्कूल, प्रमुख ब्रिटिश इतिहासकार–ग्रांट डफ, कर्नल जेम्स टॉड, माउण्ट स्टुअर्ट एलफिन्सटन

इकाई द्वितीयः व्ही0ए0 स्मिथ, डब्ल्यू0एच0 मोरलैण्ड, उर्दू इतिहासकार–मुहम्मद जकाउल्लाह, श्यामल दास दद्यवाड़िया, विश्वेश्वर नाथ रेऊ, गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

इकाई तृतीयः गोविन्द सखाराम सरदेसाई, जदुनाथ सरकार, मुहम्मद हबीब, राम प्रसाद त्रिपाठी, ईश्वरी प्रसाद

इकाई चतुर्थः रघुबीर सिंह, मध्यकालीन भारतीय इतिहास का शोध संस्थान–श्री रघुबीर लायब्रेरी व श्री नटनागर शोध संस्थान, स्वतंत्रता के उपरान्त मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन की प्रवृत्ति, मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन की चुनौती।

वैकल्पिकः
आधुनिक भारत

प्रथम प्रश्न पत्रः **आधुनिक भारत का संवैधानिक इतिहास (1909 ई0–1945 ई0)**
Constitutional Histoy of Modern India (From 1909 A.D. to 1945 A.D.)

इकाई प्रथमः 20 अगस्त सन् 1917 की घोषणा, सन् 1919 का भारत सरकार अधिनियम (मान्टेग्यू चेम्सफोर्ट सुधार), रोलेट एक्ट–1919 ई0 सन्।

इकाई द्वितीयः साइमन कमीशन, नेहरूरिपोर्ट, गोलमेज सम्मेलन, गान्धी–इरबिन समझौता, पूना पैक्ट।

इकाई तृतीयः भारत सरकार अधिनियम ई0 सन् 1935, ई0 सन् 1940 का अगस्त प्रस्ताव, क्रिप्स प्रस्ताव, कैबिनेट मिशन–योजना।

इकाई चतुर्थः संविधान सभा, 20 फरवरी ई0 सन् 1947 एटली घोषणा, माऊण्टवेटन योजना 3 जून ई0 सन् 1947, भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम ई0 सन् 1947।

द्वितीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास
Social Histoy of Modern India

इकाई प्रथमः ब्रिटिश पूर्व भारत की सामाजिक दशा, ब्रिटिश सरकार द्वारा समाज सुधार–सती प्रथा, शिशुवध/कन्यावध, विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह, डकिन प्रथा, देवदासी प्रथा।

इकाई द्वितीयः समाजिक सुधार आन्दोलन के प्रणेता–राजा राममोहन रॉय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, सर सैयद अहमद खाँ।

इकाई तृतीयः दलित समाज सुधारक–ज्योतिबा फूले, महात्मा गांधी, भीमराव अम्बेडकर

इकाई चतुर्थः आधुनिक भारत में समाज सुधारक स्त्रियाँ–पंडित रमाबाई सरस्वती, पं0 रमाबाई रानाडे, सावित्री देवी, श्रीमती एनीवेसेन्ट।

तृतीय प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास
Econoimic History of Modern India

इकाई प्रथमः ब्रिटिश आर्थिक नीति और उसके प्रभाव, कृषि का वाणिज्यीकरण, औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था की प्रकृति : धन निष्काषन का अर्थ, धन निष्कासन का स्वरूप, धन निष्कासन का प्रभाव।

इकाई द्वितीयः कृषि एवं कृषि नीति, भूराजस्व प्रणाली का विकास, उद्योग एवं तत्सम्बन्धी नीति, दुर्भिक्ष सम्बन्धी नीति, भारतीय उद्योग व्यापार।

इकाई तृतीयः आधुनिक उद्योगों का उद्‌भव एवं विकास–रेल, सूती कपड़ा उद्योग, लोहा एवं इस्पात उद्योग, चीनी उद्योग, कागज उद्योग और चमड़ा उद्योग, पट्‌सन उद्योग।

इकाई चतुर्थः ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों के विरूद्ध राष्ट्रवादी विरोध, द्वितीय विश्व युद्ध का भारतीय उद्योग पर प्रभाव, भारत विभाजन के आर्थिक प्रभाव।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः आधुनिक भारत का इतिहास लेखन
History Writing of Modern India

इकाई प्रथमः आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन की विभिन्न धाराएं : राष्ट्रवादी विचार धारा, साम्राज्यवादी विचारधारा, मार्क्सवादी विचार धारा, सबाल्टर्न, कैम्ब्रिज विचारधारा।

इकाई द्वितीयः औपनिवेशिक भारत में आर्थिक इतिहास लेखन : दादाभाई नौरोजी, आर0सी0 दत्त, रजनी पामदत्त, एम0जी0 रानाडे।

इकाई तृतीयः 19वीं शताब्दी के ब्रिटिश इतिहासकार जेम्स मिल, ग्रांट डफ, मैकाले, विलियम विल्सन हण्टर, जॉन मालकम, जेम्स टॉड।

इकाई चतुर्थः आधुनिक भारत के भारतीय इतिहासकार : राममनोहर लोहिया, पं0 जवाहर लाल नेहरू, ताराचन्द्र, आर0सी0 मजूमदार, सुरेन्द्रनाथ सेन, के0एम0 पन्निकर।

एम0 ए0 (पुरातत्व)

प्रथम प्रश्न पत्रः पुरातत्व के सिद्धान्त एवं विधियाँ भाग–2
Principles and Method of Archaeology Part-II

इकाई प्रथमः कालानुक्रम का पुरातत्व में महत्व, कालानुक्रम की प्रमुख विधियाँ।

इकाई द्वितीयः पुरातात्विक सामग्रियों की रिकार्डिंग एवं प्रकाशन, पुरातात्विक सामाग्रीयों की साफ–सफाई एवं परिरक्षण, मिट्टी, पाषाण, हाथी दाँत, हड्डी, धातु, कागज, कपड़ा एवं भोजपत्र की बनी सामाग्रियों के विशेष सन्दर्भ में।

इकाई तृतीयः मृदभाण्ड परम्परा–गैरिक मृदभाण्ड, चित्रित धूसर मृदभाण्ड, उत्तरी काली चमकीली मृद्भाण्ड।

इकाई चतुर्थः प्रमुख उत्खनित पुरास्थल–श्रृग्वेरपुर, खैराडीह, सतनीकोटा, चन्द्रकेतुगढ, नासिक, अरिकामेडु, अदम।

द्वितीय प्रश्न पत्रः आद्य इतिहास
Proto-History

इकाई प्रथमः आद्यैतिहास की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, प्राक् हड़प्पा संस्कृति, हड़प्पा संस्कृति, परवर्ती हड़प्पा संस्कृति

इकाई द्वितीयः हड़प्पा संस्कृति से सम्बन्धित उत्खनित पुरास्थल, हडप्पा, मोहनजोदडो, कालीवंगा, कालीवंगा, लोथल, धौलावीरा, अतरंजीखेड़ा

इकाई तृतीयः ताम्र पाषाणिक संस्कृतियाँ, कायथा, अहाड़, मालवा, जोर्वे

इकाई चतुर्थः भारत की महापाषाणिक संस्कृतियाँ–दक्षिण भारत की बृहत्पाषाणिक संस्कृतियाँ, उत्तर भारत की बृहत्पाषाणिक संस्कृतियाँ, विदर्भ क्षेत्र की बृहत्पाषाणिक संस्कृतियाँ।

तृतीय प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख
Ancient Indian Script and Inscription

इकाई प्रथमः लेखन कला–उत्पति एवं विकास, ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति एवं विकास, खरोष्ठी लिपि की उत्पत्ति एवं विकास।

इकाई द्वितीयः कुषाण कालीन ब्राह्मी लिपि, गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि, दक्षिण भारत की लिपियाँ।

इकाई तृतीयः अशोक कालीन अभिलेख, लुम्बनी लघु स्तम्भ लेख, सारनाथ लघुस्तम्भ लेख, अशोक का द्वादश शिलालेख, शहबाजगढी शिलालेख, भाब्रु (वैराट) लघु शिलालेख, हेलियोडोर का गरूड़ स्तम्भ लेख, धनदेव का अयोध्या अभिलेख, खारबेल का हाथी गुफा अभिलेख।

इकाई चतुर्थः समुद्रगुप्त का प्रयाग प्रशस्ति, मेहरौली का लौह स्तम्भ लेख, चन्द्रगुप्त का मथुरा अभिलेख, स्कन्दगुप्त का भीतरी अभिलेख, पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल अभिलेख

चतुर्थ प्रश्न पत्रः प्राचीन भारतीय कला एवं स्थापत्य (गुप्त से राजपूत काल तक)
Ancient Indian Art and Architecture (From Gupta to Rajput Period)

इकाई प्रथमः स्तूप की उत्पत्ति एवं विकास, मध्य भारत के स्तूप : बोध गया, धम्मेख, धर्मराजिक, सांची एवं भरहुत स्तूप।

इकाई द्वितीयः पश्चिमोत्तर भारत के स्तूप : तक्षशिला, पेशावर, मणिक्याला स्तूप, दक्षिण भारत के स्तूप : अमरावती, नागार्जुनीकोण्डा, घंटशाला स्तूप।

इकाई तृतीयः कुषाण कलाः मथुरा और गन्धार कला केन्द्र, गुप्त कला : सारनाथ कला केन्द्र।

इकाई चतुर्थः चित्र कला का उत्पत्ति एवं विकास, अजन्ता गुफा चित्रण तिथि, प्रविधि एवं विषय वस्तु।

शोध कोर्स वर्क (इतिहास)

- शोध कोर्स वर्क (इतिहास) में कुल 3 प्रश्न पत्र होंगे।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा।
- प्रथम एवं तृतीय प्रश्न पत्र सभी छात्रों के लिये अनिवार्य होगें।
- द्वितीय प्रश्न पत्र वैकल्पिक होगा जिसमें प्रत्येक छात्र को प्राचीन भारत/मध्यकालीन भारत/आधुनिक भारत में से एक का चयन कर उस काल के स्रोत का अध्ययन करना होगा।
- प्रश्न पत्रों के अतिरिक्त शोध प्रशिक्षुओं को विभाग द्वारा निर्धारित किसी एक विषय पर 'एसाइनमेण्ट' प्रस्तुत करना होगा।

शोध– कोर्स वर्क पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र 1– शोध प्रविधि एवं संगणक प्रयोग

प्रश्नपत्र 2– भारतीय इतिहास के स्रोत (प्राचीन/मध्यकालीन/आधुनिक भारत का इतिहास)

प्रश्नपत्र 3– इतिहास में शोध की आधुनिक प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख आयाम

प्रथम प्रश्न पत्रः **शोध प्रविधि एवं संगणक प्रयोग**
Research Methodology and Computer Application

इकाई प्रथमः इतिहास में शोध का उद्देश्य एवं तात्पर्य, शोधार्थी की अर्हताएं, विषय चयन, प्रश्नगत् विषय, प्रारम्भिक अध्ययन एवं क्रियाएँ।

इकाई द्वितीयः शोध की रूपरेखा/प्रारूप, शोध परिकल्पना, स्रोतों का परीक्षण एवं निर्धारण।

इकाई तृतीयः तथ्य–संग्रह–चुनौतियाँ एवं समस्याएँ, शोध–लेखन, तर्क दोष–सकारात्मक और नकारात्मक तर्क, समान्यीकरण की त्रुटियाँ, शोध–निष्कर्ष।

इकाई चतुर्थः संगणक प्रयोग–संगणक का परिचय, शोध से सम्बन्धित क्रियाएँ।

वैकल्पिक :

द्वितीय प्रश्न पत्रः **भारतीय इतिहास के स्रोत (प्राचीन भारत का इतिहास)**
Sources of Indian History (History of Ancient India)

इकाई प्रथमः स्रोतों के प्रकार; धर्मशास्त्रीय एवं साहित्यिक स्रोत–ऋग्वेद एवं उत्तरवैदिक साहित्य–रचनाकाल और ऐतिहासिक महत्व; जैन और बौद्ध साहित्य–रचनाकाल एवं स्रोत के रूप में महत्व; स्मृतियाँ–परिचय एवं ऐतिहासिक महत्व (मनु, याज्ञवल्क्य, नारद, बृहस्पति, पराशर)

इकाई द्वितीयः महाकाव्य और पुराण–रचनाकाल एवं ऐतिहासिक महत्व; धर्मेतर साहित्यः सामान्य परिचय (कौटिल्य का बाण का हर्षचरित, कल्हण की राजतरंगिणी, पृथ्वीराजरासो)।

इकाई तृतीयः विदेशी लेखक, यात्री एवं उनके यात्रा–वृत्तान्तः मेगास्थनीज़, फाहियान, ह्वेनसांग, इत्सिंग, अलबीरुनी; अभिलेखः सामान्य परिचय– प्रकार; अशोक के अभिलेख– प्रकार एवं वर्ण्य विषय, प्रयाग–प्रशस्ति; मुद्राएँ एवं सिक्के–सामान्य परिचय (आहत्, भारतीय यवन, शक–कुषाण एवं गुप्त सिक्के)।

इकाई चतुर्थः प्रारम्भिक पुरातात्विक साक्ष्य–सैन्धव संस्कृतिः प्रमुख स्थल–सामान्य परिचय (हड़प्पा, मोहनजोदाड़ो, कालीबंगा, लोथल); वैदिक काल से मौर्य काल।

वैकल्पिक :

द्वितीय प्रश्न पत्रः भारतीय इतिहास के स्रोत (मध्यकालीन भारत का इतिहास)

Sources of Indian History (History of Medieval India)

इकाई प्रथमः हसन निज़ामी–ताजुल मआसीर, मिनहाज–तबकाते नासिरी, अमीर खुसरो–ऐतिहासिक ग्रन्थ, जियाउद्दीन बरनी–तारीखे फीरोजशाही, फ़तवा–ए–जहाँदारी

इकाई द्वितीयः बाबर–बाबरनामा, अबुल फज़ल–अकबरनामा, आईने अकबरी, बदायूँनी–मुन्तखब उत् तवारीख़।

इकाई तृतीयः ख़ाफी खाँ–मुन्तख़ब–उल–लुवाब, यात्रा वृत्तान्त–इब्नेबत्तूता, बर्नियर।

इकाई चतुर्थः राजस्थानी स्रोत–नैणसी, भक्ति साहित्य–कबीर एवं तुलसीदास।

वैकल्पिक :

द्वितीय प्रश्न पत्रः भारतीय इतिहास के स्रोत (आधुनिक भारत का इतिहास)

Sources of Indian History (History of Modern India)

इकाई प्रथमः अभिलेखागार–राष्ट्रीय अभिलेखागार, क्षेत्रीय अभिलेखागार, रियासती अभिलेखागार, विदेशों में स्थित अभिलेखागार।

इकाई द्वितीयः समकालीन संस्मरण–यात्रियों के, प्रशासकों के, मिशनरियों के संस्मरण, डायरी, भाषण एवं लेखन–महात्मा गांधीजी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, पं0 जवाहर लाल नेहरू तथा भीमराव अम्बेडकर।

इकाई तृतीयः समकालीन समाचार पत्र–पत्रिकाएँ एवं गजेटियर, जनगणना, विभिन्न कम्पनी रिकार्ड्स।

इकाई चतुर्थः मौखिक स्रोत–लोक गीत, लोककथाएँ, लोकोक्तियाँ, समकालीन प्रमुख साहित्य।

तृतीय प्रश्न पत्रः **इतिहास में शोध की आधुनिक प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख आयाम**
Recent Trends in Research in History and its main dymentions

इकाई प्रथमः वस्तुपरक एवं विषयपरक शोध, सैद्धान्तिक अध्ययन।

इकाई द्वितीयः साम्राज्यवादी/औपनिवेशिक दृष्टिकोण, राष्ट्रवादी दृष्टिकोण।

इकाई तृतीयः वामपंथी एवं उपाश्रयी प्रवृत्तियाँ, एकीकृत इतिहास लेखन।

इकाई चतुर्थः नवीन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयाम ःक्रांतिकारी एवं प्रगतिवादी आन्दोलन, जेंडर स्टडी, दलित, आदिवासी, विज्ञान एवं तकनीक, पर्यावरण आदि।

★★★